



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22.09.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2023-09-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	23/09/2023	24/09/2023	25/09/2023	26/09/2023	27/09/2023
वर्षा (मीमी)	15.0	15.0	10.0	8.0	8.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	33.0	32.0	32.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	23.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	90	90	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	60	60	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	8	10	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	110	110	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	3	1	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (15-21 सितंबर) में 22.4 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.0 से 34.5 डिग्री सेल्सियस और 23.9 से 26.7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान आसमान में आंशिक बादल देखे गए तथा कुछ दिन साफ रहा। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 79 से 93% के बीच थी और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 63 से 88% के बीच थी। हवा की गति 0.2 से 2.5 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर थी। आगामी पांच दिनों के लिए पूर्वानुमान में बूदाबांदी से लेकर 8-15 मिमी तक हल्की वर्षा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस और 23-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 6-10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चलेंगी। 22 सितंबर को उधम सिंह नगर जिले के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी गिरने की संभावना है। इस संबंध में उल्लिखित तिथि के लिए एक पीली चेतावनी जारी की गई है।

सामान्य सलाहकार:

जिले के लिए विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार 12.6 मिमी की साप्ताहिक औसत वर्षा पिछले सप्ताह यानी 13-20 सितंबर के लिए काफी हद तक कम वर्षा पैटर्न का संकेत देती है और आगामी सप्ताह भी काफी हद तक कम वर्षा का संकेत देता है। हालाँकि, राज्य के लिए वास्तविक वर्षा में सामान्य वर्षा (9%) यानी 37.9 मिमी के मुकाबले 41.1 मिमी, दर्शाया गया है। वर्षा पैटर्न राज्य में विद्यमान उच्च परिवर्तनशीलता प्रवृत्ति को इंगित करता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

पूर्वानुमान में आगामी सप्ताह के दौरान बूदाबांदी से लेकर हल्की बारिश तक का अनुमान लगाया गया है, इसलिए रासायनिक अनुप्रयोगों को तदनुसार किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था	झुलसा रोग अधिक होने पर स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 15 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पे करना चाहिए। तना छेदक कीट यदि ईटीएल के ऊपर उपस्थिति है तो उस पर क्लोरान्द्रानिलीप्रोले 20 एस.सी 150 मि.ली. या फ्लूबेंडिबें यामाइड 480 एससी 75 मि.ली. या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी प्रति हेक्टर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोकजाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन , अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
गन्ना	गन्ना बढ़ाव चरण/ बुवाई	सबसे प्रचलित लाल सड़न रोग से बचने हेतु किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना होगा और अपने खेतों को साफ़ रखना होगा। संक्रमित गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए । संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। सफेद ग्रब का प्रकोप होने पर फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। शरदकालीन गन्ने की बुआई कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल में 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज से करनी चाहिए। शरदकालीन बुआई के लिए गन्ने के डंठल का निचला दो तिहाई भाग प्रयोग किया जाता है। बुवाई का कार्य साफ़ मौसम की स्थिति में ही किया जाना चाहिए।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	उचित कृषि उपायों द्वारा कीटों के आक्रमण से बचें। फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंद्रानिलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मेंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई परिपक्व होने पर करनी चाहिए। कृषि संबंधी सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

मूँग	वनस्पतिक विकास	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए तथा रासायनिक प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
काला चना	वनस्पतिक विकास	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए तथा रासायनिक प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सोयाबीन	फूल/फली बनना	फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार नमी बनाए रखी जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए तथा रासायनिक प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
मूँगफली	वनस्पतिक विकास/ खूटियां या फलिया बनना	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जाते हैं जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते हैं। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें। खूटियां या फलिया बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और नमी बनाये रखें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अंकुरित पौधा	रोपाई के चार से छः सप्ताह बाद हल्की गुड़ाई कर जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हैक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए। सभी छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किये जाने चाहिए।
मूली	बुआई/अंकुरण	मूली की फसल में शुष्क मौसम होने पर हल्की सिंचाई बुआई के तुरन्त बाद करनी चाहिए तथा दूसरी सिंचाई 3-4 पत्तियाँ आने पर करनी चाहिए। पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए सिंचाई करनी चाहिए।
गाजर	बुआई/अंकुरण	अंकुरण के बाद नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 6-10 सेमी रखनी चाहिए। पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए खेती की गतिविधियाँ शुरू की जानी चाहिए।
चुकंदर	बुआई/अंकुरण	बुआई के पर्याप्त नमी रहने पर प्रथम सिंचाई विरलीकरण के बाद करें। पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए सिंचाई करनी चाहिए।
पालक	बुआई/अंकुरण	पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए। पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए सिंचाई करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्रॉप के रूप में सेवन कराएं।
भैंस	फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण क्षेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटनेस टॉक्सॉइड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।